मारे मत बाबा | By Narendra Kaushik |

हो मारे मत बाबा,
वचन भरवाएले

गीता की खवाएले,
रामन की खवाएले,
हाँ सुख सागर पे
हाथ धरवाएले
हो मारे मत बाबा,
वचन भरवाएले

गंगा की खवाएले,
यमुना की खवाएले,
हरि सागर में
माथा टिकवाएले
हो मारे मत बाबा,
वचन भरवाएले

राम की खवाएले,
तू श्याम की खवाएले,
हाँ शंकर जी की पिंडी
पर तू माथ धरवाएले
हो मारे मत बाबा,
वचन भरवाएले

काली की खवाएले,
दुर्गे की खवाएले,
चंडी के मंदिर
साखी भरवाएले
हो मारे मत बाबा,
वचन भरवाएले

प्रेतराज की खवाएले,
तू भैरों की खवाएले,
हाँ निज चरणों में
माथ धरवाएले
हो मारे मत बाबा,
वचन भरवाएले

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ae%e0%a4%be%e0%a4%b0%e0%a5%87-%e0%a4%ae%e0%a4%a4-%e0%a4%ac%e0%a4%be%e0%a4%ac%e0%a4%be-by-narendra-kaushik/